



DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY
GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG

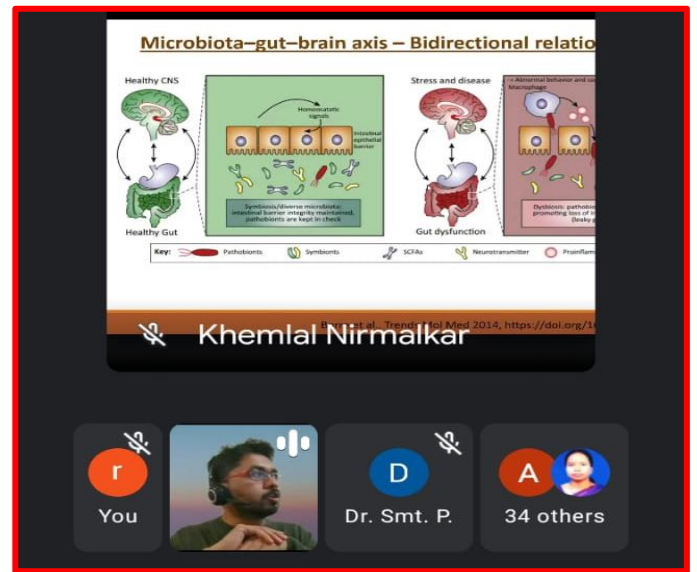
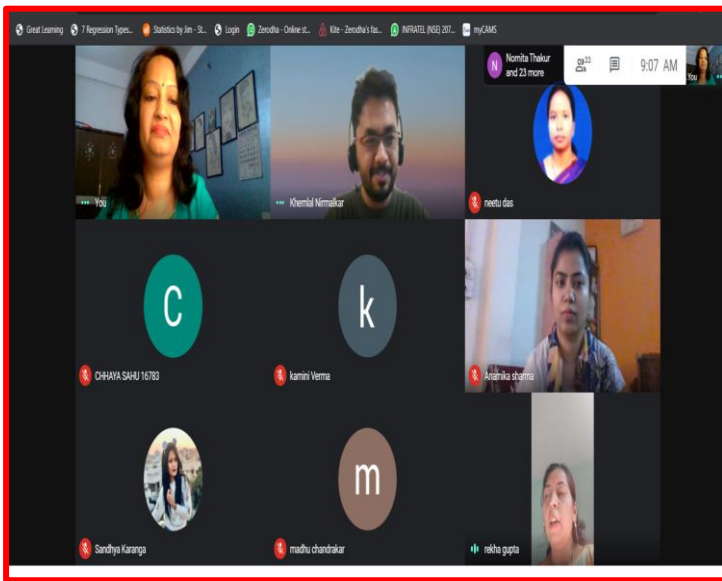
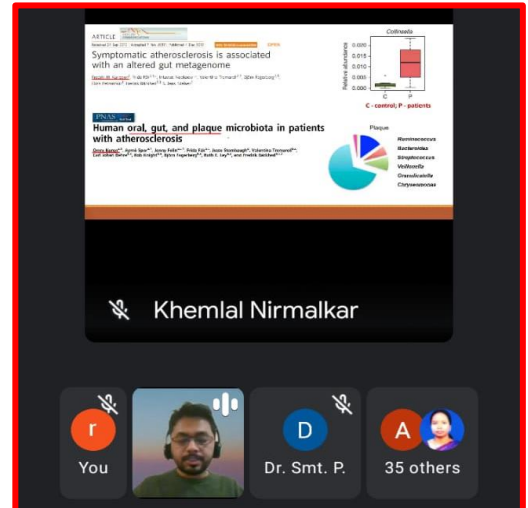
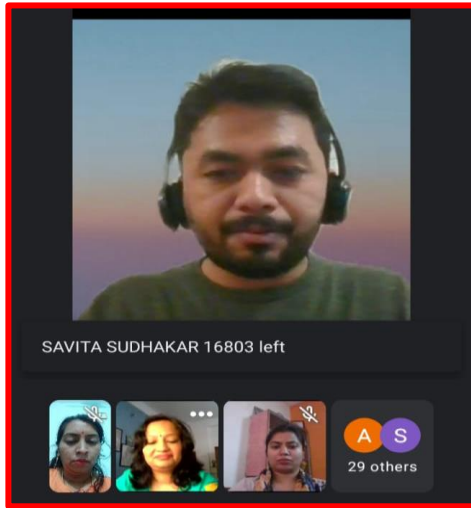


Academic Endowment Lecture

Role of Gut Microbiota in Human Health

(05.03.2021)

Name of faculty involved	Dr. Pragya Kulkarni , Mrs. Rekha Gupta, Mrs. Neetu Das, Ms. Anamika Sharma
Students participation	M.Sc. Microbiology Sem. I and Sem. III
Brief report	<p>An endowment lecture was organized in the department on 05.03.2021 and delivered by 2011 batch alumni of the dept. Dr. Khemlal Nirmalkar, presently perusing his post-doctoral research from Arizona State University, Arizona USA. The lecture was focused on Role of Gut Microbiota and Human Health. Dr. Nirmalkar started his presentation with the origin of his research from the finding that the wrong food habits, use of junk food and extra administration of probiotics resulted in the change the normal useful microflora of intestine leading to obesity, autism and other mental disorders in humans particularly the western people.</p> <p>A detailed description through comparative pictures of healthy and unhealthy cases was also given in the lecture.</p>
Out come	<p>The students understand the current trends of research in Microbiology. They aware of the pathway of problem finding and areas of research in the subject. They provoked towards research.</p>



पाश्चात्य देशों में जंकफुड के कारण मोटापे की समस्या बढ़ी

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के एक भूतपूर्व छात्र का ऑनलाईन लेक्चर

दुर्ग, 5 मार्च (देशबन्धु)। अति सर्वत्र वर्जयेत् - ज्यादा हमेशा अच्छा नहीं होता। ये बातें महाविद्यालय

के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के एक भूतपूर्व छात्र ने कहीं जो वर्तमान में अमेरिका के एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी में पोस्ट डॉक्टरल कार्य में संलग्न है। विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिये आयोजित ऑनलाईन अतिथि लेक्चर के अवसर पर डॉ. खेमलाल निर्मलकर (एम.एससी 2011) ने बताया कि पाश्चात्य देशों में खासकर जंकफूड ज्यादा प्रचलित होने के कारण लगातार



बढ़ने वाले मोटापे की समस्या बढ़ती जा रही है। डॉ. निर्मलकर ने अपने शोध से यह निष्कर्ष निकाला

है कि पाश्चात्य देशों में जहाँ खानपान का समय एवं प्रकार अलग है वहीं ज्यादा प्रोबायोटिक का सेवन भी आहारनाल के उपयोगी सूक्ष्मजीवों की संख्या को कम कर उन्हें अन्य सूक्ष्मजीवों से बदल रहा है। वहीं आगे चलकर मोटापे के साथ-साथ अन्य मष्तिष्क संबंधी बीमारियों को जन्म दे रहा है। कार्यक्रम में विभाग के प्राध्यापक डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी, रेखा गुप्ता, नीतूदास एवं कु. अनामिका शर्मा का सक्रिय सहयोग रहा।